वर्षा वन अनुसंधान संस्थान में हिन्दी सप्ताह का शुभारंभ

गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के संवैधानिक उद्देश्य को सामने रखते हुए संस्थान में दिनांक 9 सितंबर, 2013 से हिन्दी सप्ताह का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में आयोजित बैठक में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए.पी. सिंह, वैज्ञा.ई, डॉ. आर. के. बोरा, वैज्ञा.ई, समूह समन्वयक (अनु.), अन्य वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी तथा शोधार्थीगण उपस्थित थें। सर्वप्रथम इस पावन सप्ताह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। इसके बाद तथा श्री भुबन कछारी, अनुसंधान सहायक के निर्देशन में संस्थान में कार्यरत कनिष्ठ शोधार्थियों ने एक सुन्दर समूह गान प्रस्तुत किया। स्वदेश भावना से मंडित तथा भारतीय एकता और अखंडता को समर्पित "सारे जहाँ से अच्छा.." गीत ने सभा में एक सजीवता बिखेड़ दिया।

समूह गीत के अंत में डॉ. पी.के. वर्मा, कार्यकारी हिन्दी अधिकारी ने सप्ताहभर चलने वाले कार्यक्रमों की रूप रेखा को सबके समक्ष प्रस्तुत किया। सर्वप्रथम उन्होंने संस्थान के निदेशक डॉ. एन.एस.बिष्ट द्वारा प्राप्त सन्देश को सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। निदेशक महोदय ने अपने सन्देश में हिन्दी सप्ताह एवं हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी से ज्यादा से ज्यादा भागीदारिता का आह्वान किया। इसके बाद डॉ. वर्मा ने सभा को व्यक्त किया कि हिन्दी सप्ताह में विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे-कविता पाठ, निबंध लेखन, आशुभाषण, राजभाषा ज्ञान, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, स्लोगन लेखन आदि प्रतियोगिताएं आयोजित होगी। एक आशुभाषण प्रतियोगिता स्कूली बच्चों के लिए भी आयोजित की जायेगी जिसमें संस्थान के कर्मचारियों के बच्चों के अतिरिक्त अन्य स्कूली बच्चे भी आमंत्रित है। उन्होंने कहा कि हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इन प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त एक हिन्दी कार्यशाला भी आयोजित की जायेगी। कार्यक्रम की रूपरेखा पाठ के बाद संस्थान में हिन्दी में हो रही गतिविधियों का लेखा-जोखा श्री शंकर शर्मा, हिन्दी अनुवादक के द्वारा प्रस्तुत किया गया।

उपस्थित सभासदों में से डॉ. ए.पी. सिंह ने हिन्दी में और अधिक कार्य करने के लिए सभी को आह्वान किया। उन्होंने संस्थान में विभिन्न कार्यक्रमों के लिए प्रयोग किये जाने वाले बैनरों में हिन्दी का प्रयोग करने के लिए आग्रह किया। डॉ. आर. के. बोरा ने हिन्दी की दिन प्रतिदिन बढ़ रही लोकप्रियता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अब हिन्दी सिर्फ देश में ही नहीं विदेशों में भी बोली और समझी जाती है। हिन्दी के गीत विदेशों में भी लोकप्रिय है।

अंत में हिन्दी सप्ताह के औपचारिक उद्घाटन की घोषणा की गई। सभा का संचालन कुमारी मोनीषा नेउग, वरिष्ठ शोधार्थी कर रही थी।

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान में हिन्दी सप्ताह का शुभारंभ 2013